जिंदल फाउण्डेशन द्वारा मंच को स्वास्थ्य की दिशा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान

जमीनी स्तर पर टी0बी0 उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया सम्मान

5 अगस्त 2017 जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड व जिन्दल फाउण्डेशन द्वारा 3 अगस्त 2017 को कामनी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को राष्ट्रीय स्वयसिद्ध सम्मान, राष्ट्रीय एवार्ड 2017 से अंलकृत किया गया। इस संस्था का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव मो0 हशमत रब्बानी ने किया। इस भव्य समारोह में देश भर से मंच के अलावा 12 व्यक्तियों एवं 9 संस्थाओं को स्वयंसिद्ध श्री के खिताब और 1 लाख रूप्ये के नगद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह के साथ समारोह में जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड की चेयरपर्सन इमरिट्स श्रीमती सावित्री जिंदल, चेयरमैन श्री नवीन जिंदल और जेएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल ने विज़ेताओं को सम्मानित किया।

जिन्दल फाउण्डेशन भारत में जमीनी स्तर के समाजिक नव प्रवर्तकों और परिवर्तन वाहकों के पहचानने सम्मानित करने एवं प्रेरित करने वास्ते सम्मान देता रहा है जो जीवन में विषमताओं से जुझते हुए अपने संकल्प के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण भावना के साथ अपनी अद्वितिय पहचान स्थापित करने वास्ते ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का चयन किया गया है।

मंच के सचिव मो0 हशमत रब्बानी अभीं तक 3 देशों में टी0बी0 नियंत्रण की दिशा में प्रयास हेतू भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके है, इथोपिया, जौर्जिया एवं फिलिपिंस। मंच स्थापना काल 1990 से 27 वर्षो में समाजसेवा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है इसके अच्छे संकल्पना को सरकार अपना रही है। डायन कुप्रथा नियंत्रण, मानसिक स्वास्थ्य, मलेरिया, एडस नियंत्रण एवं टी0बी0 उन्मुलन कि दिशा में बेहतरीन परिणाम दिए है। संस्था 18 वर्षो से टी0बी0 नियंत्रण की दिशा में प्रयत्नशील है, अब तक झारखण्ड के कई जिलों में 15000 टी0बी0 मरीज को चिंहित कर डॉट्स से जोड़ा गया एवं 50 लाख से अधिक लोगों को टी0बी0 के प्रति अपने सिमित संसाधनों के माध्यम से जागरूक किया। साथ ही 25 हजार हस्ताक्षर द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को टी0बी0 की दिशा में जागरूक करने का प्रयास किया।

2015 में भारत देश समन्वय तंत्र के सदस्य चयनित होने पर राष्ट्र से टी0बी0 उन्नमुलन के क्षेत्र में अपनी भूमिका रब्बानी जी ने निभाई जिसमें प्रमुख रूप से सभी जिलों में CBNAAT जीन एक्सपर्ट मशीन, टी0बी0 मरीजों का पेंशन, देखभाल करने वालों का प्रोत्साहन राशि 250रू0 बढ़ाकर 1000रू0 तक करवाना शामिल है। साथ ही बिहार, झारखण्ड, यू0पी0, छतीसगंढ, उड़ीसा के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखने के साथ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को खुला पत्र देकर टी0ब0ी उन्मूलन की दिशा मे मानव संसाधन का बल तैयार करते हुए उचित कदम उठाने की अपील की। गलोबल फणिडग देश में मात्र 25 प्रतिशत मिलता था, जिसे बढ़ाकर 56 प्रतिशत करवाना उपलंब्धियों में शामिल हैं। पुर्णरिक्षित यक्षमा नियंत्रण कार्यक्रम को मजबुति प्रदान करने के लिए जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर भुमिका निभाई जा रही है जिसमें प्रमुख रूप से प्राइवेट पॉर्टनर्शिप की योजना चलाना, मानव संसाधन को बहाल करना व जिम्मेदार बनाना शामिल है।

Scanned with OKEN Scanner

सम्मान प्राप्त कर लौटे मंच के अध्यक्ष और सचिव का स्वागत सहयोगियों ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी स्वर्णलता रंजन ने कहा कि यह सम्मान हमारे संस्था के लिए ही नहीं झारखण्ड के लिए गर्व की बात है लेकिन हमारी मंजिल अभी आगे है। मंच निर्णय लेती है कि यह पुरस्कार की राशि का सदुपयोग टी0बी0 उन्मूलन एवं डायन कुप्रथा नियंत्रण हेतू समर्पित रहेगी।

ग्लोबल टी0बी0 रिर्पोट 2016 के मुताबिक देश में प्रति 3 मिनेट पर 2 व्यक्यिों की मौत टी0बी0 की संक्रमण से हो रही टी0बी0 से हो रही असमय मौत को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। गरीबी कुपोषण एडस, मधुमेह के रहते टी0बी0 पर नियंत्रण हमारे देश के लिए बहुत बड़ी चुनौती है जिसका समाधान सबकी सहभागिता से संभव है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच जिंदल समूह को धन्यवाद देती है, जिसने हमे पुरस्कृत कर हमारे हौसले को बढ़ावा है। हम सबका एक ही लक्ष्य है टी0बी0 फ्री इण्डिया, टी0बी0 फ्री वर्ल्ड।

बधाई देने वालों में उपायुक्त रांची श्री मनोज कुमार, पूर्व ए0डी0जी0पी0 श्री पी0के0 सिद्धार्थ, रांची से सुधा अग्रवाल, प्रमोद सिन्हा उपनिदेशक संख्याकी विभाग, जिंदग स्टील से कुमार अमन, मैत्री मिश्रा, अजय कुमार पाण्डे, अभिजित कुमार गढ़वा से शौकत खां, आजाद खां, प्रिया कुमारी, कृत्यानंद श्रीवास्तव पलामू से शर्मीला सुमी, अमन चक, रंजीत दुबे, आलोक कुमार वर्मा, संतोष, एजाज, जुलिता, मनु तिवारी, शशि कुमार, जपला थाना प्रभारी व्यास राम, हृदयानंद मिश्र, अविनाश वर्मा एवं वरिष्ट पत्रकार राणा अरूण सिंह। दिल्ली से हरी सिंह, ज्योति कुमारी, अवधेश यादव, दिपक दंडण एवं डॉक्टर तारीक। मध्यप्रदेश से संगीता पाठक, साधना यादव। तामिलनाडु से टी0 मर्सी, राजा मोहम्मद। मुम्बई से साहिना प्रवीण, यू0पी0 से आज्मा अजीज, कौशल किशोर, सपना सिन्हा एवं ज्योति कुमारी। बिहार से सैयद अली, रंजीत झा, नावेद अहमद, विजेन्द्र कुमार। छतिसगढ़ से कमाल अहमद, शयाम सुदंर यादव एवं झारखण्ड से सैयद सवीह अशरफ, रीता कुमारी, निखलेश मैति आदि।

पंकज कुमार श्रीवास्तव
अध्यक्ष

मो0 हशमत रब्बानी
सचिव

स्वर्णलता रंजन
कोषाध्यक्ष

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच
Mobile:+919572462647
Whatsapp:9431159447
E-mail:gskvm@yahoo.com
emailhashmat@gmail.com
Skype: gskvm.ngo
Facebook: graminsamajkalyan.vikasmanch
Web: www.gskvm.in

Scanned with OKEN Scanner

टीबी की रोकथाम में आमजन की सहभागिता जरूरी : हशमत

मेदिनीनगर (मे.सं)। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव और सीसीएम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य मो. हशमत रब्बानी सोमवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डालटनगंज में सभाओं को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में सैंकड़ों सहियाएँ मौजूद थी। कार्यक्रम में बीटीटी सीमा कुमारी, गीता देवी और अरुण कुमार मौजूद थे। मो.रब्बानी ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे विश्व में प्रति वर्ष 90 लाख लोग टीबी रोग के शिकार होते हैं, जिसमें सरकारी और गैर सरकारी पहुंच मात्र 60 लाख तक ही हो पाती है। 30 लाख टीबी मरीज सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं 60% टीबी मरीज सिर्फ छह देशों में पाए जाते हैं, जिसमें भारत, दक्षिणअफ्रीका, इंडोनेशिया, चीन,

पकिस्तान और नाइजेरिया हैं। पूरे विश्व का लगभग एक चौथाई मरीज भारत में रहते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार बीमारू राज्यों में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, ओड़िशा, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा उत्तराखंड शामिल है। टीबी बीमारी मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। देश में एक लाख आबादी पे करीब 217 टीबी रोग होने कि संभावना है, इसमें से 35 की मृत्यु हो जाती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है, परन्तु टीबी की दिशा में पर्याप्त प्रयत्न नहीं दिखता है। बिहार में 78% की कमी हैं। जबकि, झारखण्ड में 50% की। झारखण्ड में प्रति वर्ष 100000 टीबी के मरीज पाए जाते हैं मगर मात्र 36000 मरीज ही टीबी की दवा ले पाते है। बाकी लोग या तो प्राइवेट डॉक्टर के पास जाते है या ओझा गुनी के पास या पलायन कर जाते हैं। इस अवसर पे सीसीएम के अल्टरनेट मेम्बर स्वर्ण लता रंजन ने कहा कि अब टीबी की दवा प्रति दिन खिलाई जाती है। पूर्ण डोज खिलाने में टीबी मरीजों को मदद करें नहीं तो एमडीआर होने कि संभावना बढ़ेगी। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार को सलाह दी कि यक्ष्मा नियंत्रण में प्राइवेट पार्टनरशिप कि योजनायें चले, सिबिनेट मशीन का सदुपयोग हो, सरकार टीबी मरीजों को दवा खिलाने और खाने तक पौष्टिक खाना मिले। साथ ही 5000 प्रति माह पेंशन मिले, सहियाओं या वालंटियर्स को समय पर प्रोत्साहन राशि मिले और अंधविश्वाश को मिटाया जाये।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी मुक्ति से होगा स्वस्थ समाज का निर्माण

कार्यक्रम में उपस्थित आरडीडीएच डा.आरएन सिंह व अन्य

संस, मेदिनीनगर : तेजी से बढ़ रहे टीबी के मरीजों पर अंकुश लगाने की जरूरत है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों से युद्ध स्तर पर जागरूकता फैलाना जरूरी है। टीबी को दूर किए बिना स्वस्थ समाज की कल्पना बेमानी होगी। उक्त बातें पलामू के आरडीडीएच डॉ. राजेश्वर सिंह ने कही। वे मंगलवार को स्थानीय आइएमए हॉल में विश्व यक्ष्मा दिवस पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच, टीबी रीच, पुनरीक्षित यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम व अक्ष्य परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। आरडीडीएच डॉ. श्री राजेश्वर , सिविल सर्जन विजय सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. बीरेंद्र प्रसाद, ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के हशमत रब्बानी, टीबी रीच की परियोजना प्रबंधक स्वर्णलता रंजन व आइएमए सचिव डॉ. अवधेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर इसका उद्घाटन किया। सिविल सर्जन डॉ. राजेश्वर ने कहा कि पलामू को यक्ष्मा रोग से मुक्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। कहा कि जो रोगी टीबी से ग्रसित हैं और सेवाओं से वंचित हैं उन्हें चिंहित कर तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई जाए। एसीएमओ डा एससी झा ने कहा कि विश्व टीबी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है। कहा कि टीबी हवा से फैलने वाली एक संक्रामक बीमारी है। नियमित दवा खाने से इसका इलाज पूरी तरह संभव है। कार्यशाला की अध्यक्षता पलामू के जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. बीरेंद्र प्रसाद व संचालन मंच के सचिव मो. हशमत रब्बानी ने किया। मौके पर डीटीओ डॉ. प्रसाद ने टीबी के क्षेत्र में उपलब्धियों की जानकारी दी। कहा कि जिले में कई नए जांच घर स्थापित किए गए हैं। यहां बलगम जांच निशुल्क किया जा रहा है। मौके पर आइएमए उपाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार, डीपीएम प्रवीण सिंह आदि समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बेहतर कार्य को कई पुरस्कृत

मेदिनीनगर : टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में कार्य कर रहे कई स्वास्थ्य कर्मियों को स्वास्थ्य विभाग ने सम्मानित किया। इसमें राजकुमारी श्रीवास्तव को टीबी रिच के क्षेत्र में 40 नए टीबी मरीज खोजने व उन्हें दवा खिलाने के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया। विश्रामपुर स्वास्थ्य केंद्र की राजेश्वरी प्रसाद रंजन को द्वितीय पुरस्कार मिला।

हाथ से हाथ मिलाएं पलामू को टीबी से मुक्त बनाएं...

मेदिनीनगर : विश्व यक्ष्मा दिवस को ले गुरूवार की सुबह रैली निकाली गई। पलामू के आरडीडीएच डा राजेश्वर सिंह, सीएस डा विजय कुमार सिंह आदि ने हरी झंडी दिखा कर रैली को रवाना किया। इसका नेतृत्व टीबी रीच की परियोजना प्रबंधक स्वर्णलता रंजन कर रही थीं। रैली में शामिल लोग हाथ से हाथ मिलाएं पलामू को टीबी से मुक्त बनाएं, दो हफ्ते से ज्यादा खांसी हो तो टीबी हो सकती है, टीबी पूर्णत: ठीक होने वाली बीमारी है, डाट्स का पूरा कोर्स नियमित खाएं-एमडीआर टीबी से बचें, मुफ्त बलगम की जांच कराएं, टीबी होने पर डाट्स अपनाएं जैसे नारे लग रहे थे। मौके पर ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव मो हशमत रब्बानी ने कहा कि अगर हमें टीबी से जंग को जीतना है तो हमें सार्वजनिक रूप में टीबी की जांच के लिए उच्च स्तरीय उपकरण व इलाज की जरूरत है। इसके लिए सरकारी तंत्र के सहायता की बहुत जरूरत है।

Scanned with OKEN Scanner

पंकज व हशमत किए गए सम्मानित

संवाद सूत्र, मेदिनीनगर : ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव व सचिव हशमत रब्बानी को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने प्रदान किया। तीन अगस्त को नई दिल्ली स्थित कामनी ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान जमीनी स्तर पर समाज में बदलाव लानेवाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्रदान किया जाता है।

इसके तहत सम्मान स्वरूप हर व्यक्ति और प्रत्येक संस्थाओं को एक-एक लाख बतौर प्रोत्साहन राशि दी गई। बताते चले कि पंकज श्रीवास्तव 35 साल से पलामू में ग्रामीण बैंक से जुड़े हैं। गौरतलब है कि जेएसपीएल फाउंडेशन ने भारत में जमीनी स्तर के सामाजिक नवप्रवर्तकों और परिवर्तन वाहकों को पहचानने, सम्मानित करने और प्रेरित करने के लिए 2015 में 'स्वयंसिद्ध सम्मान' स्थापित किया है। ऐसे अनजाने नायकों को सम्मानित करने के लिए ये पुरस्कार दिए जाते हैं जो अपने जीवन में विषमताओं से जूझते हुए अपने संकल्प के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण भावना के साथ अपनी अद्वितीय पहचान कायम की है।

राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से सम्मानित होते ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव व सचिव हशमत रब्बानी। फाइल फोटो © जागरण

Scanned with OKEN Scanner

स्थापना दिवस पर मुशायरे का आयोजन

लहू के बदले शहीदी कफन खरीदा है...

भेदिनीनगर. रविवार को ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का 25 वां स्थापना दिवस मनाया गया. राष्ट्रीय एकता व भाईचारा के लिए मुशायरा सह कवि सम्मेलन हुआ. कार्यक्रम का आयोजन आइएमए हॉल में किया गया. मुख्य अतिथि आरडीडीएच डॉ राजेश्वर सिंह व विशिष्ट अतिथि आइएमए के सचिव डॉ अवधेश सिंह, सदर सीओ जेके मिश्रा मौजूद थे. कवि सम्मेलन की अध्यक्षता मिर्जा खलील बेग व संचालन मंच के सचिव मोहम्मद हसमत रब्बानी ने किया. शायर मिर्जा खलील अहमद बेग ने लहू के बदले शहीदी कफन खरीदा है तथा कवि हरिवंश प्रभात ने नफरतों के अंधेरे खत्म कीजिये अपनी रचना प्रस्तुत की. इसके अलावा कई शायरों व कवियों ने अपनी रचना पेश किया. संस्था द्वारा स्वयं सहायता समूह का गठन कर लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने जैसे कार्य के लिए सुमंत कुमार तिवारी तथा पेंटिंग व कार्टूनिस्ट के क्षेत्र में काम करने वाले सुमित श्रीवास्तव उर्फ अमन चक्र को पुरस्कृत किया गया. इन्हें स्वर्गीय नइमुद्दीन अंसारी सदभावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया. मौके पर संस्था के सलाहकार समिति के सदस्य शिवशंकर प्रसाद, पंकज श्रीवास्तव, रविशेखर गुप्ता, फादर मौरिस टोप्पो सहित कई लोग मौजूद थे.

Scanned with OKEN Scanner

सद्भावना पुरस्कार से नवाजे गए कृत्यानंद

संस, गढ़वा : भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के ब्लड डोनेशन चेयरमैन व समाजसेवी कृत्यानंद श्रीवास्तव को स्व. नईमुदीन अंसारी सद्भावना पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें प्रोत्साहन राशि के रूप में 1551 रुपये का चेक व प्रशस्तिपत्र भी प्रदान किया गया है। उक्त पुरस्कार मेदिनीनगर की संस्था ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव एवं सचिव मो. रहमत रब्बानी द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

अवार्ड के साथ समाजसेवी कृत्यानंद श्रीवास्तव।

- थैलीसिमिया पीड़ितों की मदद एवं रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए हुए पुरस्कृत

कृत्यानंद को यह पुरस्कार थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद एवं 5 हजार से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के लिए प्रदान किया गया है। पुरस्कार मिलने के बाद कृत्यानंद श्रीवास्तव ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैं अपना कार्य करता जा रहा हूं। लोग मुझे सम्मानित कर रहें है इसका मैं सम्मान करता हूं। आगे भी मेरा यह अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर लायंस ग्रीन के अध्यक्ष दिव्य प्रकाश केसरी, डा. पतंजलि केसरी आदि उपस्थित थे। मालूम हो कि शहर के कृत्यानंद श्रीवास्तव विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से जुड़े हुए हैं। रक्तदान के क्षेत्र में उनका नाम सम्मान से लिया जाता है। उन्हें अभी तक विभिन्न संस्थाओं द्वारा सौ से अधिक पुरस्कार प्रदान किया जा चूका है तथा लायंस क्लब, रेडक्रास सोसाइटी के समेत विभिन्न पदों पर रहते हुए भी संस्था द्वारा कई बार सम्मानित किया गया है। यहां तक कि उन्हें राज्य स्तर पर भी पुरस्कृत किए गए हैं।

Scanned with OKEN Scanner

२९ जनवरी २०१९

आज

सम्मान प्रतिभा को और बेहतर करने की प्रेरणा देता है : इंदर सिंह नामधारी

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का 29वां स्थापना दिवस मना

मेदिनीनगर। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का 29 वां स्थापना दिवस समारोह सह सदभावना सम्मान समारोह शुक्रवार को आयोजन किया गया। इसमें समाज में चार व्यक्तियों को विशिष्ट योगदान के लिए स्व. नईमुद्दीन अंसारी सदभावना सम्मान से अलं. त किया गया। मंच द्वारा पलामू जिले में विभिन्न सामाजिक मुद्दे सहित झारखण्ड राज्य में अंधविश्वाश डायन जैसी कुप्रथा के खिलाफ आंदोलन चलकर जागरूकता लाने का प्रयास किया गया है। देश और दुनियां से टीबी एड्स नियंत्रण के लिए सकारात्मक पहल की जा रही है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का 29 साल उपलब्धियों का रहा विगत वर्ष मंच को दो राष्ट्रीय सम्मान इंडियन अचीवर्स एवार्ड एंव जिंदल फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध एवार्ड से सम्मान प्राप्त हुआ है। अभी भी लक्ष्य बाकी है, जो सभी लोगों के स्नेह एंव मार्गदर्शन में प्रयत्न जारी रहेगा। मंच द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर स्व. नईमुद्दीन अंसारी सदभावना सम्मान दिया जाता है। अब तक पलामू प्रमंडल के 20 व्यक्ति–संस्थाओं को सम्मान दिया जा चुका है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या एवं मंच का 29 वां स्थापना दिवस समारोह सह सम्मान समारोह के साथ कवि सम्मलेन सह मुशायरा का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड विधानसभा के प्रथम स्पीकर इदर सिंह नामधारी विशिष्ट अतिथि के रूप में शहर थाना के इंस्पेक्टर नरेश पासवान, प्रोफेसर सुभाषचंद्र मिश्रा, इम्तेयाज अहमद खान, अधिवक्ता वीणा मिश्रा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश वर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे। चार विशिष्ट व्यक्तियों में से एक विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के केन्द्रीय सचिव सह वनराखी मूवमेंट के जन्मदाता कौशल किशोर जयसवाल, आपसी एकता और भाई चारगी के लिए डा.सैफ और डा.. सीमा को संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ : लता

- विश्व बेटी दिवस पर प्रस्तुत किए गए कई कार्यक्रम

मेदिनीनगर : विश्व बेटी दिवस के अवसर पर ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच एवं फेमिनिस्ट इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में मंच के पलामू जिला कार्यालय में सभा आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता मंच के सचिव मो. हशमत रब्बानी एवं संचालन परियोजना प्रबंधक सुश्री स्वर्णलता रंजन ने किया। इस अवसर पर लता ने कहा कि आज भारत देश में लिंगभेद की प्रथा व्यापक पैमाने पर फैल रही है। शहर से लेकर ग्रामीण तक लिंग भेद देखने को मिल रहा है। यह समाज व राष्ट्र विरोधी है। इसपर सभी संस्थाओं को मंथन करने की जरूरत है।

कार्यक्रम का संचालन फेमिनिस्ट इंडिया की सचिव सुश्री स्वर्णलता रंजन ने कहा कि बेटियां बेटों से बढ़कर काम कर रही है। आज देश के हर क्षेत्र में बेटियों ने अपना परचम लहरा कर यह साबित किया है कि लड़कियां लड़को से कम नहीं है। देश में महिला को महिला व बेटी कह कर नीचे दिखाने का काम घर से ही किया जाता है। हम अपने घर व समाज से इस प्रथा को बंद करें। लड़का-लड़की को समान रूप से अवसर दें। साथ ही समाज में कन्या भ्रूण हत्या को पूरी तरह से बचाव संबंधित जागरूकता लाएं। इस अवसर पर शीला श्रीवास्तव ने कहा कि आज गर्भ में ही बेटियों को मार दिया जाता है यह बहुत ही शर्मनाक हैं।

गर्भ में बेटियों को मारना एक सामाजिक एवं कानूनन अपराध है। बेटियों को बेटे के समान पालन पोषण एवं आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। इस अवसर पर अनिता मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री का नारा बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ को समाज में पूर्णतः लागू किया जाना चाहिए। बेटी घर की लक्ष्मी होती है।

इस अवसर पर संस्था के कृष्ण मोहन शाही, शशांक कुमार, आलोक कुमार, शीला श्रीवास्तव, रश्मि कुमारी, वीणा कुमारी, सुधा पांडेय, आजाद, जाहिदा प्रवीण, अदिती कुमारी इत्यादि लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

Scanned with OKEN Scanner

आज

टीवी रोकथाम में आम जन की सहभागिता जरुरी : हशमत रब्बानी

सहिया को संबोधित करते हशमत। छाया : ब्रजेश तिवारी

मेदिनीनगर। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव और सीसीएम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य मो.हशमत रब्बानी ने यहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डालटनगंज में कहा कि पूरे विश्व में प्रति वर्ष 90 लाख लोग टीबी रोग के शिकार होते हैं, जिसमे सरकारी और गैर सरक.. री पहुँच मात्र 60 लाख तक ही हो पाती है। 30 लाख टीबी मरीज सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। 60 प्रतिशत टीबी मरीज सिर्फ छह देशों में पाए जाते हैं, जिसमे भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, चीन, पकिस्तान और नाइजेरिया में हैं। पूरे विश्व का लगभग एक चौथाई मरीज भारत में हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रिपोर्ट के अनुसार बीमारू राज्य जिसमे उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, ओडिशा, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा उत्तराखंड शामिल है। टीबी बीमारी मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। देश में एक लाख आबादी पर करीब 217 टीबी रोग होने की संभावना है। इसमें से 35 कि मृत्यु हो जाती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। परन्तु टीबी की दिशा में पर्याप्त प्रयत्न नहीं दिखती। बिहार–झारखण्ड जैसे राज्य में पुररीक्षित यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम में मानव संसाधन कि काफी कमी है। इस अवसर पर सीसीएम के अल्टरनेट मेम्बर स्वर्ण लता रंजन ने कहा कि अब टीबी की दवा प्रतिदिन खिलाई जाती है उसे पूर्ण डोज खिलाने में टीबी मरीजो को मदद करें नहीं तो एमडीआर होने कि संभावना बढ़ेगी। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार को सलाह दी कि यक्ष्मा नियत्रण में प्राइवेट पार्टनरशिप की योजनायें चले, सिबिनेट मशीन का सदुपयोग हो, सरकार टीबी मरीजों को दावा खिलाने और खाने तक पौष्टिक खाना मिले तथा 5000 रूपये प्रति माह पेंशन मिले, सहियाओं या वालंटियर्स को समय पर प्रोत्साहन राशी मिले और अन्धविश्वाश को मिटाया जायेगा। कार्यक्रम में बीटीटी सीमा कुमारी, गीता देवी और अरुण कुमार सहित काफी संख्या में सहिया मौजूद थी।

रांची, बुधवार १३ दिसम्बर २०१७

Scanned with OKEN Scanner

روزنامہ
فاروقی تنظیم
بیادگار: مولانا فاروق الحسینی
RANCHI MONDAY 14 AUGUST 2017 Rs. 2/ Vol.34- Issue: No.220 Page:12
سموار 14 راگست 2017 21 ذی القعدہ ۱۴۳۸ھ
FAROOQUI TANZEEM फ़ारूक़ी तंज़ीम

حشمت ربانی اور پنکج نمایا کام کیلئے نوازے گئے

رانچی (اسٹاف رپورٹر) گرامین سماج کلیان وکاس منچ کے محمد حشمت ربانی اور پنکج کمار کو جندل فاؤنڈیشن نے ان کے بہتر کارکردگی پر انہیں سنوئے سیدھ شری نیشنل ایوارڈ سے نوازا ہے۔ دہلی میں منعقد ایک پروگرام میں مسٹر ربانی اور پنکج کو یہ ایوارڈ دیا گیا۔ اطلاع کے مطابق منچ کے سکریٹری محمد حشمت ربانی اب تک تین ملکوں میں ٹی وی کنٹرول کے سمت میں ملک کا نمائندگی کیا ہے۔ گرامین سماج کلیان وکاس منچ نے ملیریا ایڈس، ڈائن، ٹی وی کے علاقہ میں ان کی بہتر نمائندگی رہی ہے۔ اعزاز حاصل کرلوٹے منچ کے صدر اور سکریٹری کا استقبال ان کے معاونین کے ذریعہ کیا گیا۔ متذکرہ حلقہ میں منچ کے علاوہ بارہ لوگوں اور تو ادارہ کو بھی مذکورہ اعزاز سے نوازا گیا۔ اس اعزازیہ کے دوران انہیں ایک لاکھ روپیہ نقد، توصیفی سرٹیفکیٹ دیا گیا۔

Scanned with OKEN Scanner

Urdu Daily Ranchi-Kolkata-Patna

روزنامہ

عوامی نیوز

उर्दू दैनिक राँची-कोलकाता-पटना

قیمت 2/ روپے

Ph:0651-2212320, Fax- 0651-2212678-79, E-mail: aawaminews@gmail.com

ایڈیٹر: سید عالم

۱۴۳۸ھ

...شمت ربانی سوئم سدھ شری قومی ایوارڈ سے سرفراز

رانچی، (اسٹاف رپورٹر) جندل اسٹیل پاور لمیٹیڈ اور جندل فاؤنڈیشن کے ...نہ 13 اگست 2017 کو کامنی آڈیٹوریم ...لی میں محمد حشمت ربانی کو سوئم سدھ شری ...امین سماج کلیان وکاس منچ کو قومی سوئم ...قومی ایوارڈ سے سرفراز کیا گیا۔ اس تنظیم ...یادت چیئرمین پنکج کمار شریواستو اور ...ٹری محمد حشمت ربانی نے کی۔ اس شاندار ...ب میں ملک بھر سے منچ کے علاوہ ...فراد اور 9 اداروں کو سوئم سدھ شری کے ...ب اور ایک لاکھ روپے کے نقد انعام

اور سند سے نوازا گیا۔ پروگرام کے مہمان خصوصی مرکزی وزیر اسپات چودھری وریندر سنگھ کے ساتھ تقریب میں جندل اسٹیل اینڈ پاور لمیٹیڈ کی چیئر پرسن ایمریٹس مسز ساوتری

جندل، چیئرمین مسٹر نوین جندل اور جے ایس پی ایل فاؤنڈیشن کی صدر مسز شالو جندل نے فاتحین کو اعزاز سے نوازا۔ منچ کے سکریٹری محمد حشمت ربانی اب تک 3 ممالک ایتھوپیا، جارجیا اور فلیپنس میں ٹی بی کنٹرول کی سمت میں کوششوں کے لئے ہندستان کی قیادت کر چکے ہیں۔ منچ 27 سالوں سے سماجی خدمت اور صحت کے شعبہ میں قابل ذکر تعاون دے رہا ہے۔

Scanned with OKEN Scanner

रांची, बुधवार
9 अगस्त 2017

दैनिक जागरण

पंकज व हशमत किए गए सम्मानित

संवाद सूत्र, मेदिनीनगर : ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव व सचिव हशमत रब्बानी को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उन्हें जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने प्रदान किया। तीन अगस्त को नई दिल्ली स्थित कामनी ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम में दोनों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान जमीनी स्तर पर समाज में बदलाव लानेवाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्रदान किया जाता है।

इसके तहत सम्मान स्वरूप हर व्यक्ति और प्रत्येक संस्थाओं को एक-एक लाख बतौर प्रोत्साहन राशि दी गई। बताते चले कि पंकज श्रीवास्तव 35 साल से पलामू में ग्रामीण बैंक से जुड़े हैं। गौरतलब है कि जेएसपीएल फाउंडेशन ने भारत में जमीनी स्तर के सामाजिक नवप्रवर्तकों और परिवर्तन वाहकों को पहचानने, सम्मानित करने और प्रेरित करने के लिए 2015 में 'स्वयंसिद्ध सम्मान' स्थापित किया है। ऐसे अनजाने नायकों को सम्मानित करने के लिए ये पुरस्कार दिए जाते हैं जो अपने जीवन में विषमताओं से जूझते हुए, अपने संकल्प के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण भावना के साथ अपनी अद्वितीय पहचान कायम की है।

राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से सम्मानित होते ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव व सचिव हशमत रब्बानी। फाइल फोटो • जागरण

Scanned with OKEN Scanner

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को जिंदल फाउंडेशन करेगा सम्मानित

संवाददाता

मेदिनीनगर। जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड व जिंदल फाउंडेशन तीन अगस्त को कामनी ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान, राष्ट्रीय एवार्ड 2017 के लिए चुना गया है। इस संस्था का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव मो हशमत रब्बानी करेंगे। सम्मान के साथ 1 लाख रुपये प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी। जिन्दल फाउंडेशन भारत में जमीनी स्तर के समाजिक नवप्रवर्तकों और परिवर्तनवाहकों के पहचान ने सम्मानित करने एवं प्रेरित करने वास्ते सम्मान दे रहा है। जो जीवन में विषमताओं से जुझते हुए अपने संकल्प के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता और समर्पण भावना के साथ अपनी अद्वितिय पहचान स्थापित करने वास्ते ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का चयन किया गया है।

अध्यक्ष पंकज व सचिव दिल्ली में होंगे सम्मानित

ज्ञात हो कि विकास मंच स्थापना काल 1990 से ही शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव मो हशमत रब्बानी अभी तक 3 देशों में टीबी नियंत्रण की दिशा में प्रयास हेतू भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके है। इथोपिया, जौर्जिया एवं फिलिपिंस, दिल्ली, उड़ीसा व राजस्थान में टीम के साथ दौरा क रमलेरिया, एड्स एवं टीबी की रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी। ग्रामीण मंच स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। इसके अच्छे संकल्पना को सरकार अपना रही है। मानसिक स्वास्थ्य, मलेरिया, एडस नियंत्रण एवं टीबी उन्मूलन कि दिशा में बेहतरीन परिणाम दिए हैं। साथ ही 25 हजार लोगों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को टीबी की दिशा में जागरूक करने का प्रयास किया।

टीबी की संक्रमण से होरहीमौतको देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। गरीबी कुपोषण एडस, मधुमेह के रहते टीबी पर नियंत्रण हमारे देश के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। जिसका समाधान सबकी सहभागिता से संभव है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच जिंदल समूह को धन्यवाद देती है, जिसने हमें पुरस्कृत कर हमारे हौसले को बढ़ावाहै। हम सबका एक ही लक्ष्य है टीबी फ्री इंडिया, टीबी फ्रीवर्ल्ड।

Scanned with OKEN Scanner

जिंदल फाउंडेशन ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को करेगा सम्मानित

मेदिनीनगर। जिंदल स्टील एवं पाव लिमिटेड 26 जुलाई व जिन्दल फाउण्डेशन द्वारा 3 अगस्त 2017 को कामनी आडीटोरियम, नई दिल्ली में ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को राष्ट्रीय स्वयसिद्ध सम्मान, राष्ट्रीय एवार्ड 2017 के लिए चुना गया है। इस संस्था का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष पंकज कुमा श्रीवास्तव एवं सचिव मो हशमत रब्बानी करेंगें। सम्मान के साथ 1 लाख रूपये प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी। जिन्दल फाउण्डेशन भारत में जमीनी स्तर के समाजिक नवप्रवर्तकों और परिवर्तन वाहकों के पहचान ने सम्मानित करने एव प्रेरित करने वास्ते सम्मान दे रहा है जो जीवन में विशमताओं से जुझते हुए अपने संकल्प के प्रति असाधारण साहस, प्रतिबद्धता औ समर्पण भभावना के साथ अपनी अद्वितिय पहचान स्थापित करने वास्ते ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का चयन किया गया है। ज्ञात हो कि ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच स्थापना काल 1990 से ही शिक्षा स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखणीय योगदान दे रही है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव मो. हशमत रब्बानी अभी तक 3 देशो में टीवी नियंत्रण की दिशा में प्रयास हेतु भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके है, इथोपिया, जौर्जिया एवं उफिलिपिंस दिल्ली, उड़ीसा व राजस्थान में टीम के साथ दौरा कर मलेरिया, एड्स एवं टीबी की रिपोर्टारत सरकार को सौंपी। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। इसके अच्छे संकल्पना को सरकार अपना रही है। मानसिक स्वास्थ्य, मलेरिया, एडस नियंत्रण एवं टीबी उन्मूलन कि दिशा में बेहतरीन परिणाम दिए है। साथ ही 25 हजार हस्ताक्षर द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को टीवी की दिशा में जागरूक करने का प्रयास किया। पूर्णरिक्षित यक्षमा नियंत्रण कार्यक्रम को मजबूति दान करने के लिए जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मिका निभाई जा रही है।

Scanned with OKEN Scanner

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

मेदिनीनगर : स्थानीय संस्था ग्रामीण समाज कल्याण मंच को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान दिया गया है। आगामी तीन अगस्त को नई दिल्ली में जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड की ओर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में से संस्था के अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव व सचिव हशमत रब्बानी प्रतिनिधित्व करेंगे। यह जानकारी अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव ने दी।

उन्होंने बताया कि जेएसपीएल प्रति दस व्यक्ति व इतने ही संगठनों को राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान से सम्मानित करता है। गौरतलब है कि ये सम्मान जमीनी स्तर पर समाज में बदलाव लाने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को दिया जाता है। इसके तहत सम्मान स्वरूप हर व्यक्ति और प्रत्येक संस्था को एक-एक लाख रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस वर्ष प्रदेश से ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच का चयन किया गया है। बता दें कि अध्यक्ष पंकज विगत 35 साल से पलामू में ग्रामीण बैंक से जुड़े हैं। वहीं हशमत रब्बानी टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में वर्षों से काम कर रहे हैं।

Scanned with OKEN Scanner

आज

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच ने राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया

मेदिनीनगर। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार एवं विरवा रांची द्वारा संपोषित राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2014–15 का आयोजन ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच द्वारा किया गया। मंच के प्रभारी स्वर्णलता रंजन ने कहा कि वृक्ष हमारे सच्चे मित्र है। पेड़ों की रक्षा कर पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकता है। पर्यावरण विभाग की ओर से राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला में कही। वहीं छात्राओं से पौधरोपण को बढ़ावा देने में हाथ बटाने का सुझाव दिया। सत गुरू प्रतापहरि उच्च विद्यालय के प्राचार्य डा. मोबीनउद्दीन कुरैषी ने अध्यक्षत करते हुए कहा कि धरती को सुखी रखने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है। डॉ कुरैषी ने पर्यावरण को स्वच्छ तथा धरती को हराभरा रखने के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। डॉ कुरैशी ने कहा कि वृक्ष जीवनदायी है। वक्ताओं में सहायक षिक्षक उमेष राम, रामप्रवेश शर्मा एवं तनवीर अहमद ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने में वृक्ष समेत अन्य जैव पदार्थो के महत्व पर प्रकाष डाला। छात्राओं को फलदार पौधे बांटे गए। शिक्षक रामप्रवेश शर्मा की अध्यक्षता में बच्चों में निबंध प्रतियोगिता कराया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार मिथुन कुमार, द्वितीय पुरस्कार ज्योति कष्यप, तृतीय पुरसकार अक्षय कुमार तथा संतावना पुरस्कार निर्जला कुमारी को दिया गया।

जागरूकता रैली में शामिल लोग। छाया : ब्रजेश तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

पर्यावरण का रखें ध्यान तभी बनेगा देश महान

चैनपुर में पर्यावरण जागरूकता रैली में शामिल लोग।

मेदिनीनगर : वृक्ष हमारे सच्चे मित्र है। पेड़ों की रक्षा कर पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकता है। उक्त बातें ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच डालटनगंज की प्रभारी सुश्री स्वर्णलता रंजन ने कही। वह चैनपुर उच्च विद्यालय में राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम पर आयोजित कार्यशाला में बोल रही थीं। इसका आयोजन गुरूवार को वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार, विरवा रांची व मंच के तत्वावधान में किया गया।

सुश्री स्वर्णलता ने छात्राओं से पौधरोपण को बढ़ावा देने में हाथ बंटाने का सुझाव दिया। प्रकृति ने हमे संवेदनशील बनाया लेकिन हम उसके प्रति असंवेदनशील हो गए। प्राकृतिक आपदा देकर पृथ्वी माँ हमे चेताती है, अब भी हम न चेते तो आने वाली पीढ़िया कंधे पर आक्सीजन सिलेन्डर ढोएंगी। बच्चे नीम, पीपल, बरगद में अन्तर भूल जाएंगे। रसायनिक वर्षा के प्रदूषित जल से बचने के लिए हमें रक्षा कवच पहनना होगा।

मो. हशमत रब्बानी ने कहा कि वनों की कटाई से हम सभी पर्यावरण की चपेट में आते जा रहे हैं। शीघ्र ही हम नहीं चेते तो आने वाला कल काफी भयावह होगा। कार्यशाला की अध्यक्षता सत गुरू प्रतापहरि उच्च विद्यालय चैनपुर के प्राचार्य डा मोबीनउद्दीन कुरैशी ने की। कहा कि धरती को सुखी रखने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है।

डॉ. कुरैशी ने पर्यावरण को स्वच्छ तथा धरती को हरा-भरा रखने के लिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया। उमेश राम, रामप्रवेश शर्मा एवं तनवीर अहमद ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने में वृक्ष समेत अन्य जैव पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला। छात्राओं को फलदार पौधे बांटे गए। प्राचार्य के हाथों से स्कूल परिसर के चारों ओर पौधे लगाए गए। शिक्षक रामप्रवेश शर्मा के निर्देशन में बच्चों में निबंध प्रतियोगिता कराया गया। प्रथम पुरस्कार मिथुन कुमार, द्वितीय पुरस्कार ज्योति कश्यप, तृतीय पुरसकार अक्षय कुमार तथा सांत्वना पुरस्कार निर्जला कुमारी को दिया गया।

Scanned with OKEN Scanner

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पलामू समेत समस्त
झारखंडवासियों, इष्टमित्रों, शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं

टीबी मुक्त भारत के लिए प्रयासरत

सदस्य भारतीय समन्वय तंत्र पलामू

हशमत रब्बानी

मो. 9431159447

Scanned with OKEN Scanner

सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित हुए कौशल

झारखंड विधानसभा के प्रथम स्पीकर ने किया सम्मानित

संवाद सूत्र, मेदिनीनगर : शहर के ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष, पर्यावरण धर्म व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को मो. नईमुद्दीन अंसारी सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि झारखंड विधानसभा के प्रथम स्पीकर इंदर सिंह नामधारी ने जायसवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर शिक्षाविद प्रो सुभाष मिश्र, वरिष्ठ समाजसेवी हृदयानंद मिश्रा, संस्था प्रमुख पंकज श्रीवास्तव, एडवोकेट नीलू मिश्रा, शांति किंडो, सचिव हसरत रब्बानी, डॉ सीमा समेत कई लोग उपस्थित थे। बताते चलें कि इसके पूर्व जायसवाल को राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष व पीसीसीएफ समेत कई वरिष्ठ गणमान्यों ने सम्मानित किया है। जायसवाल की जीवनी पर आधारित सीबीएससी बोर्ड के आठवीं व आईसीएसई बोर्ड के छठवीं कक्षा में पिछले 10 वर्षों से पढ़ाई चल रही है। की जा रही है। इसके पूर्व अतिथियों ने जायसवाल के जीवन वृत की चर्चा की। मौके पर जायसवाल ने कहा कि कोई भी व्यक्ति सच्ची लगन, कड़ी मेहनत व दूरदृष्टि रखकर समाज के लिए निःस्वार्थ कार्य करें तो निश्चित सफलता मिलती है।

मो. नईमुद्दीन सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित करते इंदर सिंह नामधारी ● जागरण

Scanned with OKEN Scanner

आज
, २८ जनवरी, २०१९

निष्पक्ष हिन्दी दैनिक 'आज' के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच

प्रधान कार्यालय : पुलिस लाईन हमीदगंज, डालटनगंज, पलामू, झारखंड।

की ओर से
गणतंत्र दिवस की पावन बेला पर समस्त पलामूवासियों, शुभचिंतक को हार्दिक बधाई।

—: निवेदक :—

मो0 हशमत रब्बानी (सचिव)

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच

Scanned with OKEN Scanner

महिलाएं शिक्षा व स्वास्थ्य पर दें ध्यान : दुल्लर

संवाद सूत्र, मेदिनीनगर : स्वयंसेवी संगठन सेसा पलामू के तत्वावधान में स्थानीय बेलवाटिका स्थित कार्यालय में अल्पसंख्यक महिलाओं का एक दिनी नेतृत्व विकास सह हैंड होल्डिंग शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अल्पसंख्यक मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया गया।

शिविर में बतौर मुख्य अतिथि मेदिनीनगर महिला थाना प्रभारी दुल्लर चौड़े, वनांचल ग्रामीण बैंक के अवकाशप्राप्त शाखा प्रबंधक पंकज श्रीवास्तव, ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव हशमत रब्बानी ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि दुल्लर ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे शिक्षा व स्वस्थ्य पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने बताया कि महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र मे पीछे नहीं हैं। पंकज श्रीवास्तव ने महिलाओं के लिए स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण व घर पर ही रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। हशमत रब्बानी ने डायन प्रथा व कन्या भ्रूण हत्या उन्मूलन के लिए प्रयास करें। किसी भी कीमत पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए महिलाएं जागरुक हों।

अल्पसंख्यक महिलाओं का नेतृत्व विकास शिविर का उद्घाटन करती महिला थाना प्रभारी दुल्लर चौड़े व अन्य ● जागरण

शिविर की अध्यक्षता सेसा के महासचिव डॉ. कौशिक मल्लिक, संचालन देवाशीष सेनगुप्ता व धन्यवाद ज्ञापन संस्था के कार्यकारी निदेशक डा जसबीर बग्गा ने किया। शिविर में समर प्रकाश, रविंद्र कुमार महतो, धर्मेंद्र सिंह, अजय कुमार, दिलीप मोची, ज्योति टोप्पो, सलोमी हेमब्रम, सोनी कुमारी, इंदू बैंग, रजनी कुमारी, प्रेमलता के अलावा नावाडीह, रामगढ़, सूआ व चियांकी के लगभग 100 अल्पसंख्यक महिलाएं उपस्थित थीं।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी नियंत्रण में सभी का सहयोग जरूरी : सिविल सर्जन

रांची, मंगलवार
3 सितंबर 2013

शिविर में उपस्थित सीएस व अन्य।

चैनपुर, पलामू : यक्ष्मा रोग (टीबी) नियंत्रण के लिए आम लोगों का सहयोग जरूरी है। सहयोग से ही टीबी पर नियंत्रण पाया जा सकता है। उक्त बातें पलामू के सिविल सर्जन डा. योगेंद्र महतो ने कहीं। वे सोमवार को चैनपुर अस्पताल स्थित सभागार में टीबी रिच कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन पुनरीक्षित यक्षमा नियंत्रण कार्यक्रम व ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के सौजन्य से किया गया था। मौके पर एसीएमओ डा. शिवचंद्र झा ने स्वास्थ्य कर्मियों का आह्वान किया कि वे टीबी की बीमारी से मुक्ति के लिए बच्चों को बीसीडी का टीकाकरण कराएं। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा. बिरेंद्र कुमार ने कहा कि यक्ष्मा अब जानलेवा नहीं है। लेकिन इसके लिए समय पर इलाज जरूरी है। मौके पर प्रभरी चिकित्सा पदाधिकारी डा.एमकेपी यादव, टीबी कार्यक्रम प्रभारी डा.अजय कुमार सिंह समेत कई लोगों ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मंच के सचिव हशमत रब्बानी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन स्वर्णलता रंजन ने किया। मौके पर कुंदन पासवान, अनवर हुसैन अंसारी, विजय कुमार, सकीना बेगम आदि मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

जागरुकता से खत्म होगी टीबी की बीमारी : डॉ वीरेंद्र

मेदिनीनगर | प्रतिनिधि

ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के तत्वावधान में सामुदायिक कार्यकर्ताओं के साथ टीबी उन्मूलन पर एक दिनी कार्यशाला हुई।

उद्घाटन मुख्य अतिथि अपर जिला मुख्य शिक्षा पदाधिकारी डॉ शिवचंद्र और जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। वक्ताओं ने कहा कि एक टीबी रोगी एक मिनट में 15 लोगों को बीमार कर सकता है। आम लोगों की जागरुकता से ही टीबी की बीमारी दूर होगी।

बचाव के लिए जागरुकता और डॉटस के माध्यम से टीबी रोगियों को पूरा कोर्स देखकर इसका पक्का इलाज संभव है। लोगों की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण है।

Scanned with OKEN Scanner

ारौ नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

टीबी उन्मूलन के लिए मिलकर प्रयास करें : सीएस

कार्यशाला में उपस्थित सीएस व अन्य।

संवाददाता

मेदिनीनगर : प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र मेदिनीनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा संचालित एवं ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच तथा आरएनटीसीपी के सहयोग से कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सीएस डॉ योगेंद्र महतो ने की। श्री महतो ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से खांसी है। प्रतिदिन शाम में बुखार आता है, भूख कम लगती है, वजन कम हो रहा है, रात को पसीना आता है व बलगम में खून आता है तो समझें कि उस व्यक्ति को टीबी रोग हो सकता है। उन्होंने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए जिले के पांच प्रखंड चैनपुर, मेदिनीनगर, विश्रामपुर, नावा बाजार एवं पांडू में यह परियोजना संचालित है। श्री महतो ने सभी को टीबी उन्मूलन के लिए मिलकर प्रयास करने को कहा। टीबी रीच परियोजना प्रबंधक स्वर्ण लता रंजन ने सभी सहिया से टीबी मरीजों को खोजने एवं उनका इलाज में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि टीबी आनुवंशिक रोग नहीं होता बल्कि यह हवा के जरिए फैलने वाला एक संक्रामक रोग होता है। कार्यशाला में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा विरेंद्र कुमार, तकनीकी पदाधिकारी नंदू चौधरी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पूनम, एएनएम, सहिया समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक पहल जरूरी

कार्यशाला में टीबी के बारे में जानकारी दी गयी. फोटो । प्रभात खबर

- प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र में टीबी रीच परियोजना के तहत कार्यशाला

प्रतिनिधि ■ मेदिनीनगर

शुक्रवार को मेदिनीनगर के प्राथमिक उपस्वास्थ्य केंद्र में टीबी रीच परियोजना के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच तथा आरएनटीपीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गयी थी. कार्यशाला में सिविल सर्जन डॉ योगेंद्र महतो ने कहा कि टीबी में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है. जब लोग जागरूक रहेंगे, तो स्वाभाविक है कि रोग के प्रारंभिक दौर में ही वह पकड़ा जायेगा. तब उसे दूर करना ज्यादा आसान है. टीबी किसी को भी हो सकता है. टीबी अनुवांशिक रोग नहीं है, बल्कि यह हवा के जरीये फैलने वाला एक संक्रामक रोग होता है. यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह या इससे ज्यादा दिन तक खांसी हो, तो उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर बलगम की जांच करानी चाहिए. टीबी का उपचार पूरी तरह से संभव है. इसे लेकर मन में किसी प्रकार का कोई भय नहीं पालना चाहिए. जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार ने कहा कि टीबी के जो रोगी हैं, उनपर भी यह जिम्मेवारी बनती है कि वह अपनी पूरी स्थितियों के बारे में स्वास्थ्यकर्मियों को जानकारी दे. इलाज के सही तरीके का पालन करें,तभी इसका उन्मूलन होगा. टीबी रीच परियोजना के प्रबंधक स्वर्णलता रंजन ने कहा कि टीबी के उन्मूलन में साहिया की भूमिका अहम है. वह गांवों में जाती है. वह पता करें कि गांव में कोई टीबी रोगी तो नहीं है, ताकि उसका इलाज हो सके. बताया गया कि ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच द्वारा पलामू के चैनपुर, मेदिनीनगर, विश्रामपुर, नावाबाजार, पांडु में टीबी उन्मूलन के लिए कार्य कर रही है. इस दौरान जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है. कार्यशाला में आरएनटीसीपी के तकनीकी पदाधिकारी नंदु चौधरी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पूनम सहित कई लोग मौजूद थे. धन्यवाद ज्ञापन अनवर हुसैन अंसारी ने किया.

Scanned with OKEN Scanner

टीबी की दवा बीच में छोड़ना नुकसानदेह

चैनपुर : टीबी की दवा इलाज के बीच में छोड़ना खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे मरीज को एमडीआर कहा जाता है। उक्त बातें पलामू के जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. बीरेंद्र प्रसाद ने गुरूवार को चैनपुर प्रखंड में ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच द्वारा टीबी रीच परियोजना के तहत प्रखंडस्तरीय पीआरआई सदस्य प्रमुख, उपप्रमुख, रोजगार सेवक व अन्य क्षेत्रीय समाजसेवी कार्यकर्ताओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने लोगों से ऐसे मरीज को चिन्हित कर कम से कम छह माह तक दवा खिलाने को कहा। अध्यक्षता बीडीओ रूबी कुमारी ने की। कार्यक्रम में स्वर्णलता रंजन, नंदू चौधरी, सचिव मो हशमत रब्बानी, अनवर अंसारी आदि शामिल थे।

Scanned with OKEN Scanner

संक्रामक रोग है टीबी : सीएस

- टीबी रीच परियोजना पर कार्यशाला आयोजित
- हवा के जरिए फैलती है बीमारी

निप्र, मेदिनीनगर : टीबी हवा के जरिए फैलने वाला एक संक्रामक रोग है, यह किसी भी व्यक्ति को हो सकता है। इसकी रोक-थाम में आम लोगों का सहयोग अपेक्षित है। उक्त बातें पलामू के सिविल सर्जन डा योगेंद्र मेहता ने कही। वे शुक्रवार को स्थानीय सदर प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टीबी रीच परियोजना के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

टीबी रीच परियोजना को आरएनटीपीसी के सहयोग से ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच पलामू जिले के पांच प्रखंडों में संचालित कर रहा है। इस दौरान मौजूद एएनएम, सहिया, सहिया साथी आदि को टीबी के लक्षण एवं इससे बचाव की जानकारी दी गई। बताया गया कि 15 से अधिक दिन तक खांसी होने पर उस व्यक्ति को टीबी हो सकता है। तत्काल उसका बलगम जांच कराया जाना चाहिए। परियोजना प्रबंधक स्वर्णलता ने टीबी रोग के लक्षण एवं बचाव के उपाय, टीबी रोग के पता लगाने की जानकारी समेत रोगी की जिम्मेदारियां आदि पर प्रकाश डाला। मौके पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा विरेंद्र कुमार, आरएनटीसीपी के तकनीकी पदाधिकारी नंदू चौधरी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डा पूनम सिन्हा, राजीव के अलावा एएनएम, साहिया व साहिया साथी आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में अनवर हुसैन अंसारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यशाला में बोलती स्वर्णलता।

उपस्थित साहिया व अन्य।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी से मुक्ति के लिए डॉट्स अपनाएं

भास्कर न्यूज : मेदिनीनगर

स्वयंसेवी संस्था ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के तत्वावधान में सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने टीबी उन्मूलन के लिए एक कार्यशाला का आयोजन चंद्रा रेसीडेंसी में किया गया। इस मौके पर डॉ. शिवचंद्र झा ने कहा कि टीबी बैक्टेरिया से होती है । इसका इलाज समय पर नहीं करने पर यह घातक हो सकती है। एक टीबी से ग्रसित रोगी 15अन्य रोगियों के बीच रोग फैला सकता है। जबकि समय पर इसका इलाज शुरू होने से यह पूर्णत ठीक होती है। टीबी की दवा सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क उपलब्ध है। दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी टीबी का प्रमुख लक्षण है। खांसी के अलावा छाती में दर्द,बलगम से खून आना,कमजोरी अथवा थकावट भी इसके लक्षण हैं। डॉट्स के नियमित उपयोग से इस रोग पर विजय पाया जा सकता है।इस मौके पर मो हशमत रब्बानी,परियोजना निदेशक स्वर्णलता समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर अध्यक्ष व पार्षद को सम्मानित किया

हुसैनाबाद .पलामू केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के हुसैनाबाद अनुमंडल इकाई ने शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम व वार्ड दस के पार्षद राजेन्द्र पाल को बुके व उपाहार देकर सम्मानित किया। मौके पर नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम ने कहा कि एसोसिएशन के सभी समस्याओं को लेकर तत्पर रहूंगा। एसोसिएशन के सदस्य अजय प्रसाद ने कहा कि इस बार नगर निकाय चुनाव में संघ के दो सदस्यों ने चुनाव लड़ा और दोनों की जीत हुई। उन्होंने कहा कि नगर अध्यक्ष से हर संभव मदद की उम्मीद की हैं। मौके पर निवर्तमान उपाध्यक्ष मो. कासिम, विनय सिंह, राजेन्द्र पाल, लल्लू कश्यप, डब्ल्यू कुमार व मो. मोबारक मौजूद थे।

दो बच्चियों की हत्या की निंदा : पांकी : दो मासूम बहनों की हत्या की जितनी निंदा की जाय, कम है। ये बातें विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी व नेता डॉ शशिभूषण मेहता ने कही। उन्होंने शनिवार को मृतका के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। मौके पर उन्होंने मृतका के परिजनों को सहायता राशि भी दी।

Scanned with OKEN Scanner

पांच प्रखंडों को टीबी से रोग मुक्त करने का संकल्प

मेदिनीनगर। चैनपुर प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती रूबी कुमारी की अध्यक्षता में टीबी रीच परियोजना के तहत प्रखंड स्तरीय पीआरआई सदस्य, प्रमुख, उप-प्रमुख, रोजगार सेवक सेविकाएं एवं अन्य क्षेत्रीय समाज सेवी कार्यकर्ताओं के बीच एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ विरेन्द्र कुमार एवं तकनिकी पदाधिकारी नन्दू चौधरी, मुखिया, प्रमुख, पंचायत समिति सदस्य तथा ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के सचिव मो. हशमत रब्बानी एवं टीबी रीच के परियोजना प्रबंधक स्वर्ण लता रंजन ने दीप प्रज्जवलीत कर समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर टीबी रीच परियोजना कार्यक्रम के परियोजना प्रबंधक स्वर्ण लता रंजन ने टी बी परियोजना कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम पूरे विश्व के ५३ देशों में से सिर्फ भारत को और भारत में भी सिर्फ झारखंड राज्य के पलामू जिला के ५ प्रखंडों में टीबी रोग को पूर्ण रूप से रोग मुक्त करने हेतू अवसर प्रदान किया गया है। टीबी रीच परियोजना की पूर्ण रूप जानकारी दी और इस कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम के तकनिकी पदाधिकारी नन्दू ने भारत में चल रहे टीबी रीच कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अभी प्रत्येक २ मीनट में १ रोगी की मृत्यु टीवी रोग से हो रही है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ विरेन्द्र प्रसाद ने एमडीआर के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित प्रमुख, उप-प्रमुख, रोजगार सेवक, सेविकाएं एवं अन्य क्षेत्रीय समाज सेवी कार्यकर्ताओं को कहा कि जो व्यक्ति को टीबी हो गया है ऐसे व्यक्ति को चिन्हित कर कम से कम छह माह तक दवा आवशयक रूप से लेनी है। अंत में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती रूबी कुमारी ने ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच द्वारा यक्ष्मा रोग की जागरूकता कार्यक्रम की सराहना की और उपस्थित सदस्यों को इस में सहयोग की अपील की। इस समारोह में संस्था के सचिव मो० हशमत रब्बानी, परियोजना कार्यकर्ता विशेष समन्यवयक- अनवर अंसारी एवं उपरोक्त पदा. सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner

कार्यशाला 21 को

पांडू, पलामू : ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच संस्था के तत्वावधान में टीबी रोग से बचाव कार्यक्रम पर 21 मई को एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड सभागार कक्ष में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता बीडीओ जयकुमार राम करेंगे। इसमें जनप्रतिनिधियों के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। उक्त जानकारी बीडीओ जयकुमार राम ने दी है।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी पर कार्यशाला, प्रमुख ने किया विरोध

उंटारी रोड। ग्रामीण विकास मंच के बैनर तले ब्लॉक परिसर में टीबी उन्मूलन कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीडीओ जय कुमार राम और जिला अस्थमा पदाधिकारी डीएन प्रसाद ने इसका उद्घाटन किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से पंचायत प्रतिनिधियों एवं जनता को टीबी से संबंधित विशेष जानकारी देनी थी, परंतु समय पर सूचना नहीं दिए जाने को लेकर प्रमुख अनुप गुप्ता सहित अन्य प्रतिनिधियों ने इसका विरोध किया। बाद में सुनिता कुमारी, संस्था सचिव मो हसमत रब्बानी, सुलेमान अंसारी, मुकेश चंद्रवंशी, मुखिया संघ अध्यक्ष शोभा देवी आदि ने टीबी का लक्षण और बचाव पर चर्चा की।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी उन्मूलन पर कार्यशाला संपन्न

उद्घाटन करते दिवाकर कामत। • हिन्दुस्तान

मेदिनीनगर। डब्ल्यूएचओ प्रायोजित टीबी उन्मूलन पर कार्यशाला होटल ज्योतिलोक में हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन आरडीडीएच दिवाकर कामत ने किया। उन्होंने कहा कि टीबी रोग के उन्मूलन के लिए ग़ैर सरकारी संस्था के साथ समन्वय जरूरी है, तभी सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जागरुकता जांच शिविर और समुचित दवा का वितरण संभव होगा। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ बीरेंद्र प्रसाद ने टीबी रोग उन्मूलन के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम को प्रवीण सिंह, एचबी दास, स्वर्ण लता रंजन और हशमत रब्बानी ने भी संबोधित किया।

Scanned with OKEN Scanner

न्यूज इनबॉक्स

टीबी उन्मूलन योजना की शुरुआत

मेदिनीनगर. जिले में टीबी उन्मूलन की योजना को शुरू कर दिया गया है। इसकी शुरुआत ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (स्वीट्जरलैंड) के सहयोग से किया है। इसका उद्घाटन आरडीडी डॉ. दिवाकर कामत, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी वीरेंद्र प्रसाद व जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनआरएचएम) प्रवीण सिंह, टीबी परियोजना समन्वयक अनवर अंसारी व तकनीकी पदाधिकारी नंदु कुमार ने स्थानीय होटल में किया। डॉ. दिवाकर ने कहा कि टीबी गंभीर बीमारी है। इसका समय से उपचार होना जरूरी है। प्रवीण सिंह ने कहा कि टीबी के इलाज के लिए उनके पास पर्याप्त मात्रा में दवाएं हैं। इसमें डॉट्स इलाज सबसे कारगर है। इस कार्यक्रम में चैनपुर, डालटनगंज, पांडू, नावाबाजार व विश्रामपुर के 80 सहयोगी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

टीबी उन्मूलन के लिए आपसी समन्वय जरूरी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

निप्र, मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल में टीबी उन्मूलन के लिए आपसी समन्वय जरूरी है। ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है। उक्त बातें पलामू के क्षेत्रीय उप निदेशक (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. दिवाकर कामत ने कही। वे शनिवार को ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के पलामू जिले के टीबी रिच परियोजना के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इसके पूर्व आरडीडीएच डॉ. दिवाकर कामत, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. वीरेंद्र प्रसाद, तकनीकी पदाधिकारी नंदू कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. प्रवीण सिंह व मुख्य टीबी रिच परियोजना के समन्वयक अनवर अंसारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर परियोजना का शुभारंभ किया। टीबी रिच परियोजना के वरीय रिसर्च पदाधिकारी व सलाहकार सुब्रता भारती दास ने टीबी उन्मूलन संबंधित परियोजना की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मंच का संचालन संस्था के सचिव मो. हशमत रब्बानी ने किया। रब्बानी ने कहा कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम फिलहाल जिले के पांच प्रखंडों में चलाया जा रहा है। यह परियोजना विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वीट्जरलैंड के सौजन्य से संचालित है। परियोजना के प्रबंधक स्वर्णलता रंजन ने कहा कि सबके सहयोग से ही लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। टीबी पर नियंत्रण जरूरी है। मौके पर चैनपुर, मेदिनीनगर, पांडू, नावाबाजार व विश्रामपुर प्रखंड के 80 समुदायिक सहयोगी मौजूद थे।

Scanned with OKEN Scanner

सहयोग से ही टीबी पर काबू संभव : डा.कामत

टीबी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

मेदिनीनगर। उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डा.दिवाकर कामत ने कहा कि आपसी सहयोग से ही टीबी पर काबू पाया जा सकता है। इसके लिए सरकारी मशीनरी और स्वंयसेवी संगठन को मिलकर काम करना होगा। उक्त बातें शनिवार को ग्रामीण समाज कल्याण विकास मंच के तत्वावधान तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सौजन्य से 'टीबी रिच' परियोजना के उदघाटन एवं सामुदायिक कार्यकर्ताओं के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला के उदघाटन में कही।

उन्होंने कहा कि टीबी लाइलाज बीमारी नहीं रही। जरूरत है इसके रोकथाम एवं निरोग होने के लिए लगकर दवा का सेवन करें। इस अवसर पर जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा.वीरेन्द्र प्रसाद ने कहा कि टीबी के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। साथ ही किसी को अगर यह रोग है तो वह खुलकर कहें, इलाज संभव है। वहीं यक्ष्मा रोग के तकनीकी पदाधिकारी नन्दू चौधरी ने इसके तकनीकी उपाय के बारे में बताया। प्रारंभ में मुख्य अतिथि आरडीडीएच, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, डीपीएम प्रवीण सिंह, के साथ ग्रामीण विकास मंच के सचिव मो.हशमत रब्बानी, परियोजना प्रबंधक सुश्री स्वर्णलता रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। इस अवसर पर मंच के सचिव डा.हशमत रब्बानी ने नारा दिया " आओ हाथ से हाथ मिलाये, पलामू को टीबी मुक्त बनायें" उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित कार्यकर्ताओं गांव में जाकर लोगों को जागरूक करने की बात कहीं। वहीं स्वर्णलता रंजन ने टीबी के लक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस यह कार्यक्रम जिले के चैनपुर, सदर, पांडु, विश्रामपुर तथा नावा बाजार प्रखंड में चलाये जा रहे है, इस अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया। इस अवसर पर मंच के सलाहकार सुब्रत भारती दास, महेन्द्र प्रजापति, राकेश कुमार, अनवर अंसारी सहित भारी संख्या में प्रखंडों से आये लोग उपस्थित थे।

Scanned with OKEN Scanner